



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्रतिपक्षर से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

नं. 225]

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 3, 1993/आषाढ़ 12, 1915

No. 225]

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 3, 1993/ASADHA 12, 1915

पर्यावरण और वन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 जून, 1993

साका.नि. 491(अ).—भारत के असाधारण राजपत्र, भाग-2 खंड-3, उपखंड-(1) में दिनांक 20-2-1991 को साका.नि. सं. 85 (ई) के तहत प्रकाशित पर्यावरण और वन मंत्रालय, भारत सरकार के संकल्प के अनुच्छेद 5 में दर्ज निर्णय का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा कीटनाशकों पर पर्यावरणीय दृष्टि से अनुकूल उत्पादों पर लेबल लगाने के लिए निम्न-लिखित मानदंड अधिसूचित करती है:—

जीवनाशकों के अतिरिक्त कीटनाशकों पर पर्यावरणीय दृष्टि से अनुकूल उत्पाद पर लेबल लगाने के लिए मानदंड।

प्रस्तावना :

कीटनाशकों का उत्पादन फसल की सुरक्षा, जन-स्वास्थ्य तथा भंडार किए गए खाद्यान्न और संपत्ति की सुरक्षा के लिए किया गया है। अपनी प्रकृति से कीटनाशक विषाक्त होता है किन्तु किरायती पीढ़क जंतु प्रबंध में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण है। कीटनाशकों में पर्यावरणीय क्षति पहुंचाने की संभावना होती है इसलिए यह आवश्यक है कि ऐसे पैरामीटर खोजे जाएं जिससे कम से कम पारिस्थितिकीय क्षति से पीढ़क जंतुओं पर नियंत्रण पाया जा सके। कीटनाशकों को पर्यावरणीय दृष्टि से अनुकूल उत्पाद के लिए आवश्यक अपेक्षाएं नीचे दी गई हैं:—

2. सामान्य अपेक्षाएं:—

2.1 कीटनाशकों के सभी उत्पादों तथा उनकी पैकिंग में भारतीय मानक ब्यूरो के संगत मानकों का पालन किया जाएगा।

टिप्पणी :

भारतीय मानक ब्यूरो पर्यावरणीय दृष्टि से अनुकूल विशेषताओं के लिए वैकल्पिक मानकों को तैयार और/अथवा शामिल करेगा।

2.2 उत्पादन निर्माता भारतीय मानक ब्यूरो को "इकोमार्क" के लिए आवेदन करते समय पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के अंतर्गत प्रमाणीकरण सहित, यदि आवश्यक हो तो, जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974, जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) उपकरण अधिनियम, 1977 तथा वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981 के उपबंधों के अनुसार सहमति मंजूरी प्रस्तुत करेगा।

2.3 उत्पादन को बिना किसी शर्त के कीटनाशक अधिनियम, 1968 के अंतर्गत पंजीकृत किया जाना चाहिए और उसका निर्माता इस अधिनियम और उसके अंतर्गत बने नियमों के अंतर्गत अन्य उपबंधों का पालन करेगा।

टिप्पणी :

इसके बारे में निर्माता भारतीय मानक ब्यूरो को डॉक्यूमेंटरी एविडेंस प्रस्तुत करेगा।

2.4 उत्पाद के औचित्यपूर्ण उपयोग के लिए उसके साथ विस्तृत अनुदेश लगे होने चाहिए।

2.5 निर्माता उत्पाद बनाने वाली इकाई का लिए पर्यावरणीय दृष्टि से सुरक्षित ले-आउट कोड का पालन करेगा, जैसाकि केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने "न्यूनतम राष्ट्रीय मानक: कीटनाशी बनाने वाले तथा तैयार करने वाले उद्योग" (परिशिष्ट) शीर्षक से अपने प्रलेख संख्या सी ओ आई एन डी एस/15/1985-86 में दिया है।

टिप्पणी :

निर्माता सहायक डाटा सहित भारतीय मानक ब्यूरो को घोषणा-पत्र प्रस्तुत करेगा।

3. उत्पाद विशिष्ट अपेक्षाएँ :

3.1 उत्पाद और उनके विषाक्तन उपापचय, अवशिष्ट मूल्योक्त की मानक विधि के अनुसार परीक्षण किए जाने पर पर्यावरण (मृदा, फसल उत्पाद आदि) में 30 दिन के बाद नहीं रखे जाने चाहिए (अर्थात् संस्तुत सुराक को 95% अवक्रमण तक)।

3.2 उत्पाद किसी प्रकार के कैसरजनी पदार्थों से निर्मित नहीं होने चाहिए अथवा उनके अन्दर ये पदार्थ नहीं होने चाहिए।

टिप्पणी :

इकोमार्क स्कीम के लिए कैसरजनी पदार्थों की एक कार्यात्मक सूची तैयार करने लिए तकनीकी समिति द्वारा एक विशेष उप-समिति बनाई गई है और वह सूची लागू की जाएगी।

3.3 निम्नलिखित श्रेणियों के पीडकनाशी/कीटनाशक इकोमार्क के पात्र नहीं होंगे :—

1. विश्व स्वास्थ्य संगठन के वर्गीकरण के तहत जो अत्यधिक/उच्चतम परियंकटमय पाए गए हैं।
2. जो जलीय जीवों, पावकों अथवा अन्य जीव सूत्रों में जीवआवरण, जीव-मात्रण अथवा जीव-संचयन के लिए जाने जाते हैं।
3. जो भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के मानदंड के अनुसार कैसरजनी, वंशानुगत रूप से विषैले साबित हुए हों अथवा जिनमें विषाक्तता की संभावना हो।
4. पर्यावरण में जो गैर-जीव-अवक्रमणीय हैं।
5. जिनमें विलंबित तंत्रि आविषाक्तता के स्पष्ट प्रमाण मिले हों।
6. कोई भी उत्पाद जो पर्यावरण में तथा आनुवांशिक रूप से बने उत्पादों में छोड़ने के बाद परिवर्तित होने की क्षमता रखते हों।

टिप्पणी :

भारतीय मानक ब्यूरो को इकोमार्क के लिए आवेदन करते समय उत्पाद निर्माता डाकूमेंट्री एविडेंस प्रस्तुत करेगा।

4. आपत्तियाँ दर्ज करना :

कीटनाशकों को पर्यावरणीय दृष्टि से अनुकूल उत्पादों के रूप में लेबल लगाने के इन मानदंडों के विरुद्ध आपत्ति याचक करने का इच्छुक कोई व्यक्ति सरकारी राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से साठ दिन के भीतर संयुक्त सचिव, पर्यावरण और वन मंत्रालय, पर्यावरण भवन, सी.जी.ओ. कॉम्प्लेक्स, लोदी रोड, नई दिल्ली-110003, को लिखित में अपनी आपत्ति भेज सकता है।

[सं. 23/9/91-सी एन (सी पी डब्ल्यू)]

मकुल सनवाल, संयुक्त सचिव

परिशिष्ट—1

निर्माण एककों के लिए पर्यावरणीय दृष्टि से सुरक्षित ले-आउट कोड

1. पर्यावरणीय दृष्टि से सुरक्षित ले-आउट योजना में सामग्री ह्रास एकत्रीकरण, निपटान, पुनः चक्रीयण तथा शोधन की लागत का ध्यान रखा जाता है, जोकि स्वयं प्रक्रिया का तथा परिणामस्वरूप ले-आउट व्यवस्था का हिस्सा है।

2. इस ले-आउट कोड में यह माना जाता है कि पर्यावरण सुरक्षा, किसी उपकरण, प्रतिक्रिया उपकरण को बनाने, सामग्री हस्तांतरण व्यवस्था, भंडारण बैंक तथा उत्पादन प्रणाली को चलाने के लिए सेवा सहायता हेतु एक कारक है।

3. ठोस और द्रव पदार्थों के भण्डारण के सभी स्थान बिना नालियों के जुड़े होने चाहिए किसी भी तरह से पदार्थों के रिसाव को समाप्त करना चाहिए, उसे व्यर्थ नहीं करना चाहिए।

4. प्रत्येक बैटल में गिरी हुई सामग्री एकत्र करने के लिए कैचपिट होने चाहिए।

5. सभी पंपों के अपने कैचपिट होने चाहिए, आवश्यक रूप से, निम्न-मित प्रथवा लगातार पिट को खाली करने के लिए उसके माथ सैनशन पंपों की एक साइन जुड़ी होनी चाहिए।

6. चूंकि सामग्री को हानि रिएक्शन बैटल को भरने, उत्पाद को खाली करने के दौरान तथा बाह्य वाल्वों के रिसने से होती है और चूंकि सामग्री ठोस अथवा अर्द्ध ठोस अथवा तरल हो सकती है इसलिए हानि को रोकने के लिए सावधानी आवश्यक है। यदि आवश्यक हो तो भरने/खाली करने तथा हस्तांतरण के उपकरण को बदल कर सावधानी बरती जा सकती है।

7. इससे पहले कि एक बैटल से गिरी हुई सामग्री के दूसरे पास हो के बैटल से गिरी हुई वस्तु से संदूषित हो, बउस बैटल से गिरी सामग्री को एकत्र करने के लिए दोनों बैटलों को समुचित दूरी पर रखा जाना चाहिए जिससे परस्पर संदूषण न हो। सामग्री के पुनः चक्रीयण के लिए अतिरिक्त दूरी "संदूषण न होने की दूरी" आवश्यक है।

8. जहां तक बचा जा सके, फ्लैज ज्वाइंट्स से बचना चाहिए।

9. बेहतर विकल्प सामग्री को खोज करने तथा निवारक रख-रखाव में कड़ाई से तेजी लाने के लिए क्षय-प्रवण ओडों तथा वातावरणीय तथा प्रक्रिया अभिप्रेरित क्षय के लिए उत्तरदायी निर्माण सामग्री की ओर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

10. यदि बाहर जाने वाली हवा प्रदूषकों से संदूषित है तो निकास-नालियों और पंखों के निकास द्वारा प्रदूषण के खोत है। इनको बाहर निकालने से पहले शोधित किया जाना चाहिए। प्रत्येक वेपर लाइन या तो रिकवरी प्रणाली अथवा अवशोषण प्रणाली से जुड़ी होनी चाहिए।

11. वातानुकूलित प्रणालियों के संचालन के लिए विनिर्मित कोड तथा निवारक रख-रखाव के लिए सुस्थापित प्रक्रिया पर्यावरण को सुरक्षा के साथ मेल खाने चाहिए। ये प्रणालियाँ बाब कम करने वाले वाल्वों और कई मामलों में रचरेबल डिस्क के साथ ठीक बैठती हैं। वर्तमान प्रक्रिया सामग्री को वातावरण में छोड़ने की है। पर्यावरणीय दृष्टि से सुरक्षित करने के लिए इन साइनों को रिकवरी अधिशोषण/अवशोषण व्यवस्थाओं के साथ जोड़ा जाना चाहिए। सुरक्षित डिस्क के टूटने के साथ अवानक उच्च दाब उत्पन्न होता है; रिचार्ज हुई सामग्री के रिकवरी व्यवस्था का डिजाइन उच्च दाब/दाब/अवयतन का अननक उत्पन्न स्थितियों के अनुकूल होना चाहिए।

12. नई इकाइयाँ विस्तारित घातुओं, क्षीरदार कोणों, स्टाल प्रिलो, स्टोल का जालियों, पूर्वनिर्मित ओद्योगिक फ्लोर श्रेटिंग तथा ऐसी चीजों से फर्न बनाएंगे जिनसे फर्न घोन हो न पड़े।

- 13 यदि संयंत्र का ले-आउट यह आवश्यक हो कि बैसलों को ऊपरी मंजिलों में रखा जाना चाहिए तो इसके साथ-साथ ही रिमावर रोकने/एकत्रीकरण के लिए व्यवस्थाएं का जाना चाहिए। जहां स्पिनेज का संभावना अधिक हो, ऐसे स्थानों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। यह प्रदूषण नियंत्रण के लिए ही आवश्यक नहीं है अपितु निम्नलिखित मंजिलों में कार्य कर रहे संयंत्र के कामियों की सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है।
- 14 उत्पादन बैसल का आपूर्ति के लिए कच्चे भाग के भंडारण अंकों का रिसाव तथा अतिवाह रोकने के लिए व्यवस्थाओं सहित संयंत्र के मुख्य भवन के बाहर स्थित पृथक ढांचे में रखना चाहिए। जहां संभव हो लेवल अनाम लगाए जात चाहिए, तरल पदार्थों की प्रकृति के कारण जहां यह व्यवहार्य न हो वहां टैंक के दो निम्न स्तरों पर दो अतिवाह पाइप लगाए जाने चाहिए।
- 15 जहां विभिन्न उत्पादों के निमार्ण के लिए, कई विशिष्ट उपकरण उपयोग में लाए जाते हैं वहां उपकरण धोने के लिए संयंत्र प्रबंध की अनाम संज्ञित होनी चाहिए। होजिंग कार्य से पहले उपकरण के तल को खुरब कर, इसके बाद उसे नीचे कपड़े से पोछना चाहिए। इससे संदूषकों तथा अपशिष्ट जल की मात्रा में कमी आएगी।
- 16 नमूना प्रक्रियाएं अपशिष्ट जल मापन के उपकरणों, तैरते हुए अभिलक्षणीय तरल पदार्थों के पृथक्करण हेतु आद्य अवरोध तथा स्थिर होने वाले त्रूल कणों को रोकने के लिए इन-बिल्ट पृथक्करण/अपशिष्ट जल मापन, सिमेंटों के साथ फिट होनी चाहिए अपशिष्ट जल उत्पन्न करने वाली इकाइयों के अहाते में अपशिष्ट जल बहिर्काओं के लिए इन उपबंध को अनिवार्य समझा जाना चाहिए।
- 17 जल के सभी प्रकार के उपयोगों में जो रसायनों के संपर्क में नहीं आते हैं उन्हें प्रोसेस जल के साथ मिश्रित नहीं होने देना चाहिए। संदूषण रहित जल के लिए संयंत्र में पृथक निकास होना चाहिए और यदि इसका उपयोग पुनः संभव नहीं है तो पृथक नालियों के माध्यम से बहा देना चाहिए, उसे संदूषित होने से बचना चाहिए।
- 18 इस प्रस्तावित ले-आउट कोष्ठ में निर्माण प्रक्रिया में उत्पन्न होने वाले ठोस अपशिष्ट को स्वीकार किया गया है जो फैक्टरी से अहातों में अपना स्थान जरूर बनाएगा। इसे भूमि/समुद्रतल पर एकत्रित किया जाएगा जो कि यू-निफॉर्म मापनों के अनुकूल होना चाहिए।
- 19 गुण्य उत्पादन मात्र के बाहर डि-इन्फेक्शन कार्य किया जाना चाहिए और उसके लिए उपबंध बनाए जात चाहिए।
- 20 नूफान के जल का नालियां प्रोसेस जल की नालियां से अलग होनी चाहिए। पहली की शतल जल और अ-शतल जल का हटाने के लिए उपयोग में लाया जा सकता है।

MINISTRY OF ENVIRONMENT & FORESTS

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th June, 1993

G.S.R. 491(E).—In exercise of the decision recorded in the paragraph 5 of the Resolution of the Government of India in the Ministry of Environment and Forests, published vide GSR 85(E) dated 20-2-91 in the Gazette of India Extraordinary Part II, Section-3, Sub-section (i), the Central Government hereby notifies following criteria for labelling Pesticides as ENVIRONMENT FRIENDLY PRODUCTS :

CRITERIA FOR LABELLING PESTICIDES EXCLUDING BIOCIDES AS ENVIRONMENT FRIENDLY PRODUCT

Introduction

Pesticides are products for crop protection, public health and for stored grain and property protection. By their very nature, pesticides are toxic but they have a role to play in economical pest management. Pesticides have a potential to cause environmental damage therefore it is necessary to identify those parameters which will effect control of pests with least ecological injury. In order to consider the pesticide as Environmentally Friendly Product, requirements are given as under;

2. General Requirements :

2.1 All formulation and packing of pesticides shall meet relevant standards of Bureau of Indian Standards (BIS).

Note : BIS shall formulate and/or incorporate optional standards for environmental friendly characteristics.

2.2 The product manufacturers must produce the consent clearance as per the provisions of Water (Prevention and Control of Pollution) Act 1974, Water (Prevention and Control of Pollution) Cess Act 1977 and Air (Prevention and Control of Pollution) Act, 1981 alongwith authorisation, if required under Environment (Protection) Act, 1986 and Rules made thereunder to BIS while applying for the 'Ecomark'.

2.3 The product must be registered unconditionally under the Insecticides Act, 1968 and the manufacturer shall also comply with other provisions under the same Act and the Rules made thereunder.

Note : The manufacturer shall provide documentary evidence to this effect to BIS.

2.4 The product shall be accompanied by detailed instructions for its judicious use.

2.5 The manufacturer shall follow the relevant Environmentally safe layout code for manufacturing units as given by CPCB in its document No. COINDS/15/1985-86 entitled Minimal National Standards : Pesticides Manufacturing and Formulation Industry (Appendix-I).

Note : The manufacturer shall provide declaration to this effect to BIS alongwith supporting data.

3. Product Specific Requirements :

3.1 Product and its toxic metabolites shall not be persistent (i.e. 95 per cent degradation of the recommended dose) beyond 30 days in environment (soil, crop product etc.) when tested as per standard method of residue analysis.

3.2 Products shall not be manufactured from or contain any carcinogenic ingredients.

Note : A special sub-committee has been formed by the Technical committee to prepare an operational list of carcinogenic substances for the purpose of Ecomark scheme and the same will be applicable.

3.3 The following categories of pesticides/insecticides shall not be eligible for Ecomark;

- (i) Classified as extremely/highly hazardous under WHO classification.
- (ii) known for biomagnification, bioconcentration or bioaccumulation in aquatic, plant or other life forms.
- (iii) proven as potentially carcinogenic, genotoxic or having developmental toxicity as per IARC criterion.
- (iv) non-biodegradable in environment.
- (v) relatively strong evidence of delayed neurotoxicity.
- (vi) Any product or material capable of undergoing mutation after release in the environment and genetically engineered product.

Note : The manufacturer shall provide documentary evidence to this effect, while applying for Ecomark, to BIS

4. Filing of Objections :

Any person interested in filing any objection against these criteria for labelling Pesticides as environment friendly, may do so in writing to the Joint Secretary, Ministry of Environment and Forests, Paryavaran Bhavan, CGO Complex, Lodi Road, New Delhi-110003, within SIXTY DAYS from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

[No. 23/91-PL (CPW)]

MUKUL SANWAL, Jt. Secy.

APPENDIX 1

ENVIRONMENTALLY SAFE LAYOUT CODE FOR MANUFACTURING UNITS

1. An environmentally safe layout plan takes care of material loss, cost of collection, disposal, recycle and treatment which are parts of the process itself, and consequently of the layout arrangement.

2. This layout code postulates that environment protection is a factor for designing any equipment, reaction vessel, material transfer arrangement storage tank, and service support to operate the production system.

3. All places of storage of solid and liquid materials are to be diked without drains. Any spillage is to be wiped out and cannot be washed out.

4. Each vessel should have its own catchpit to collect spills.

5. Each pump must be mounted on its own catch-pit; a suction line of the pump should be connected to empty the pit, periodically or regularly or continuously.

6. As losses of materials take place during charging of the reaction vessels, discharging of produce and dripping of outlet valves, and as materials may be either solid or solid slurry or liquid, care needs to be

exercised to prevent the losses, if necessary by changing the charging/discharging and transfer devices.

7. In order to collector spills from a particular vessel before the spilled materials get a chance of contamination with spills from another nearby vessel, the two vessels must be installed at sufficient distance so that intercontamination cannot take place. The extra distance, 'non-contaminating distance' is to be provided for recycle of materials.

8. Flange joints should be avoided wherever avoidable.

9. Corrosion-prone areas and construction materials liable to atmospheric and process induced corrosion should be given special attention for finding better replacement material and stricter preventive maintenance frequency.

10. Exhaust ducts and fan outlets are sources of pollution, if the thrown out air is contaminated with pollutants. These may be treated before vented. Any vapour line should be connected with either a recovery system or an absorption system.

11. The engineering code for the operation of pressurised systems and the established practice for preventive maintenance are consistent with the protection of the environment. These systems are fitted with pressure release valves, and in many cases with rupture discs. The present practice is to allow the released materials to the atmosphere. To be environmentally safe, these lines ought to be connected to recovery/adsorption/absorption arrangements. The rupturing of safety discs is accompanied with sudden release of high pressure; the design of the recovery arrangement of the released materials should be befitting the sudden energising conditions of high temperatures/pressure/volumes.

12. New units will build floors with expanded metals, slotted angles, steel grills, steel grates, prefabricated industrial floor gratings, and the like which will make floor washing redundant.

13. If the plant layout demands that vessels should be installed in upper floors, arrangements should be simultaneously made of spill avoidance/collection. Vulnerable points of leakage should be taken special care of. This is necessary not only for pollution control but also for the safety of plant personnel working in lower floors.

14. Storage tanks of raw materials for supply to the production vessels, should be installed on a separate structure located just outside the main plant building, with arrangement for holding spills and overflow. Level alarms should be installed where possible; where the same is not feasible because of the nature of the liquid, two overflow pipes at two different levels of the tank should be fitted.

15. Plant management should evolve its own code for washing equipment, where a particular equipment is used for the manufacture of different products. Dry scraping of equipment surface followed by mopping with wet cloth should be carried out before housing operation. This will reduce the quantity of contaminants and waste water volume.

16. All channels be fitted with wastewater measuring devices, half barrier for the separation floating immiscible liquid and in-built separation|sedimentation basins for withholding settleable particulate matters. This provision may be treated as compulsory for wastewater channels in the immediate vicinity of wastewater generating units.

17. All water usages that do not come in contact with chemicals, should have no opportunity to mix with process water. Uncontaminated water should have separate outlets from the plant and if recycle is not possible, should be drained out through separate channels, without any chance of getting contaminated.

18. This proposed layout code recognises the solid waste generated in the process of manufacture must find a place within the factory premises. It will be stored on land|lagoon which will be lined with compatible geo-textile materials.

19. The detoxification operation is to be carried out outside the main production plant, and provision has to be kept for the same.

20. Storm water drains should be segregated from process water drains. The former may be used for the removal of cooling water and non-process water.

